# दैनिक तमसा संकेत



मौसम
सूर्योदयः 06:43
सूर्यास्तः 05:58
अधिकतमः 27°00
न्यूनतमः 13°00

पेज 03 »

विशेष समाचार भारत बांग्लादेश संबंध के नवीकरण... » पेज 02 | कुलियों की आजीविका पर रिपोर्ट ... » पेज 04 | वैलेंटाइन डे पर 'बैटल ऑफ गलवान' ...

# पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग सुविधा शुरू

## ऐसा करने वाले पहले पीएम, बोले- देश का बुरा सोचने वाले को कांग्रेस कंधे पर बैठाती है

**दौरा**

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी में कहा- कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे, उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा- आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं। पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे थे। इसके बाद वे वायुसेना के C-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर लैंडिंग की। मोदी ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। मोरन एयरस्ट्रिप NH-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) है।

» (शेष पेज 04 पर)

### पीएम बोले- आपके प्यार को ब्याज समेत विकास करके लौटाऊंगा

PM मोदी ने कहा- कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति, वोट बैंक की नीति, कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक के चश्मे से देखा। कांग्रेस के समय केंद्र की योजनाओं को असम तक पहुंचने में कई साल लग जाते थे। भाजपा ने नार्थ ईस्ट के विकास को हमेशा प्राथमिकता दी। PM ने कहा- पिछले 12 साल में जब भी कोई नई शुरुआत हुई तो उसका फायदा नार्थ ईस्ट को मिला।

### पीएम मोदी के भाषण की 5 खास बातें

- कांग्रेस के समय असम को पाई-पाई के लिए तरसाया जाता था। तब टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं।
- जब मैं प्लेन से मोरन हाईवे पर उतरा तो नया इतिहास बन गया। कभी नार्थ ईस्ट का नाम आते ही लोग सोचते थे कि छोड़ो टूटी सड़क मिलेंगी तो कब ही पहुंचेंगे। आज यहां हाईवे पर हवाई जहाज भी लैंड करते हैं।
- भाजपा सरकार ने 10 साल में ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने। यह बताता है कि कांग्रेस ने असम को समस्या दी और हमने समाधान दिए।
- पिछले 12 साल में जब भी कोई नई शुरुआत हुई तो उसका फायदा नार्थ ईस्ट को मिला। वंदे भारत शुरू हुई तो असम नार्थ ईस्ट कनेक्ट हो गया। स्लीपर वंदे भारत भी असम से शुरू हुई।
- असम के लोगों के वोट के कारण यहां लाखों परिवारों के घर बने। शौचालय बने। पीने का पानी घर तक पहुंचा। इस पुण्य का हकदार भाजपा के बूथ का कार्यकर्ता है।

### मोरन बाइपास चाइना बॉर्डर से लगभग 300किमी दूर

*पीएम मोदी का प्लेन आज सुबह करीब 10 बजे मोरन बाइपास पर बनी ELF पर उतरा। यह एयरस्ट्रिप सैन्य रणनीति के लिए अहम है। यह इलाका चाइना बॉर्डर से लगभग 300km दूर ही है। मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला। पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार वर्मन सेतु और IIM गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी का यह पिछले तीन महीने में तीसरा असम दौरा है। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव है। राज्य में 2016 से लगातार दो बार NDA की सरकार बनी है। इससे पहले 2001–2016 तक कांग्रेस की सरकार थी।*

> *प्रधानमंत्री बोले- कांग्रेस ने दशकों तक एम्स के विस्तार पर ध्यान नहीं दिया। 2014 में देश में 6 एम्स थे आज देश में 20 से ज्यादा एम्स हैं। गुवाहटी के अलावा असम में कई मेडिकल कॉलेज खोले गए कल पीएम राहत योजना को मंजूरी दी। दुर्घटना में घायल होने पर 1.50 लाख तक का इलाज केंद्र सरकार मुफ्त में कराएगी। भाजपा कार्यकर्ताओं में बड़ी संख्या युवाओं की है। उन्होंने कहा- देश में जब मैनेजमेंट और उच्च शिक्षा की बात होती थी तो असम और नार्थ ईस्ट के बच्चों को बाहर जाना पड़ता था।*

# यूपी, राजस्थान समेत 5 राज्यों में पारा 30 डिग्री सेल्सियस पार

## राजस्थान में फिर बारिश की संभावना, पहाड़ों पर 2 दिन बाद बर्फबारी

तमसा संकेत, एजेंसी

शिमला/भोपाल/जयपुर/रायपुर/लखनऊ। देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 13 से 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30°C के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30°C के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2°C और प्रयागराज में 30.4°C दर्ज किया गया। छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को हल्के बादल छाने से न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज हुई। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10°C से नीचे है।

# अफसर रिटायर होकर 20 साल बुक पब्लिश नहीं करा सकेंगे

## पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब पर विवाद

**दावा**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार रिटायरमेंट के बाद सीनियर पोस्ट पर रहे अधिकारियों के लिए 20 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने पर विचार कर रही है। इस दौरान अफसर अपनी सर्विस से जुड़ी किताब प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। हाल ही में पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अनपब्लिश किताब विवादों में है। शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। कई मंत्रियों का मानना था कि मिलिट्री अधिकारियों समेत अहम पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक यह मुद्दा कैबिनेट के आधिकारिक 27 पॉइंट्स के एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान उठा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मेमॉयर में बताई गई घटनाओं का जिक्र करने की कोशिश की, और सरकार ने इस पर कड़ा एतराज जताया, क्योंकि किताब पब्लिश नहीं हुई थी। बाद में गांधी किताब की एक कॉपी संसद में लाए, ताकि यह साबित हो सके कि किताब मौजूद है।

**फास्ट न्यूज**

### अमृतसर एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर SL-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था।

### मुंबई के मुलुंड में मेट्रो पिलर का स्लैब गिरा

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर निर्माणाधीन मेट्रो लाइन नंबर 4 के पिलर का स्लैब गिर गया। स्लैब एक ऑटो रिक्शा और स्कोडा कार पर गिरा। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए। घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एल.बी.एस. रोड, जॉनसन एंड जॉनसन फैक्ट्री के पास की है। दबने से दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) ने बयान जारी किया। अथॉरिटी ने बयान में कहा कि बीएमसी और डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटीज के साथ मिलकर राहत कार्य और साइट को सुरक्षित करने का काम चल रहा है।

### साध्वी प्रेम बाईसा की हार्ट अटैक से हुई थी मौत

जोधपुर। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने यह खुलासा शनिवार शाम किया है। कमिश्नर ने बताया- मेडिकल बोर्ड की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार साध्वी की मौत का मुख्य कारण फेफड़ों की गंभीर बीमारी के चलते आया हार्ट अटैक (कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट) था। जांच में यह भी सामने आया है।

## गोरखपुर में योगी बोले- दिल्ली में दम घुटता, यहां वातावरण एकदम शुद्ध

# 'हर कोई रवि किशन नहीं कि रोज शादी कर ले'

**लोकार्पण**

- सांसद रवि किशन के पहुंचने पर लोग उनके साथ सेल्फी लेने लगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। 'परिवार के सभी लोग चाहते कि घर में मांगलिक कार्यक्रम हो। अब हर कोई रवि किशन तो है नहीं कि रोज विवाह कर ले। ये करते हैं न फिल्मों में। आम व्यक्ति होटल या मैरिज हॉल तो नहीं बुक कर सकता। न ही रवि किशन की तरह शीशमहल बना सकता है।' यह बाद सीएम योगी ने शनिवार को गोरखपुर में सांसद रवि किशन की चुटकी लेते हुए कही। इससे पहले योगी ने यहां 2.47 करोड़ की लागत से बने कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया। इसमें 300 लोगों की क्षमता होगी। इसका निर्माण गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) ने किया है।

» (शेष पेज 04 पर)

### योगी ने रवि किशन से कहा, साल में एक बार जरूर जाया करिए

सीएम योगी ने कहा- अच्छा बताइए सांसद यहां सप्ताह महीने में आते हैं कि नहीं आते? मैं जानता हूं। इसीलिए इनको बोलता हूं कि कम से कम साल में एक बार जरूर जाया करिए। अब घराती हो या बाराती, सबको सुविधाएं चाहिएं। अब मांगलिक कार्यक्रम रोज-रोज तो नहीं होते।

### योगी बोले- गोरखपुर में बन रहा डिग्री कॉलेज

वहीं, सीएम योगी ने गोरखपुर के विकास खंड जंगल कौड़िया में पुनर्निर्मित खंड विकास अधिकारी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा- जंगल कौड़िया में पूज्य महाराज के नाम पर एक डिग्री कॉलेज का निर्माण कराया गया है। यहां 2000 से ज्यादा छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं। यहां की बेटियां और नौजवान उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही खेल का मैदान, स्टेडियम और कुश्ती के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार विकास को सही दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# ब्रह्मपुत्र के नीचे टनल बनेगी, ट्रेन और दूसरे वाहन चलेंगे

## भारत में ऐसी सुरंग पहली बार, 6 घंटे का सफर 20 मिनट में तय होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट मीटिंग में असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली रोड-कम-रेल टनल समेत फोर लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। इसकी कुल लागत 18,662 करोड़ होगी। यह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी अंडरवॉटर रोड-कम-रेल टनल परियोजना होगी, जिसमें एक ही सुरंग में रोड और रेल लाइन होगी। ट्रेन और गाड़ियां एक साथ चलेंगी। इसे इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन (EPC) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत गोहपुर

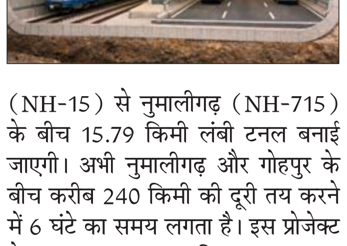

(NH-15) से नुमालीगढ़ (NH-715) के बीच 15.79 किमी लंबी टनल बनाई जाएगी। अभी नुमालीगढ़ और गोहपुर के बीच करीब 240 किमी की दूरी तय करने में 6 घंटे का समय लगता है। इस प्रोजेक्ट के बाद यह घटकर 20 मिनट रह जाएगा।

» (शेष पेज 04 पर)

### पीएमओ को सेवा तीर्थ में शिफ्ट करने का प्रस्ताव पारित

कैबिनेट में प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) को रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक से नव निर्मित 'सेवा तीर्थ' में शिफ्ट करने के फैसले पर भी प्रस्ताव पारित किया गया। सरकार ने इस फैसले को इतिहास और भविष्य का मिलन बताया है। प्रस्ताव में कहा गया कि अब नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को मिलाकर 'युग-युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' बनाया जाएगा, जहां भारत के इतिहास और विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। सरकार का कहना है।

## आरोप : सोशल मीडिया पोस्ट में बोले- व्यापार समझौता आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल

# राहुल का आरोप, ट्रेड डील से कपास किसानों को नुकसान

- राहुल बोले- अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग तबाह हो जाएगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से कपास उगाने वाले किसानों और कपड़ा उद्योग पर उल्टा असर पड़ेगा। पोस्ट में राहुल ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0% टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। राहुल ने बताया कि भारत के गारमेंट्स पर 18% टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? और, ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है - या फिर "आगे कुआं, पीछे खाई" की हालत में फंसाने वाला जाल? पोस्ट में राहुल बोले अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं।

**सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को अपने वीडियो पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि 18% टैरिफ बनाम 0% समझाता हूं, और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।**

### राहुल ने वीडियो पोस्ट यह भी कहा-

*भारत में टेक्सटाइल उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना।*

*एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स - दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती। लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र "सरेंडर" मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।*

### आप योगी हैं तो मुख्यमंत्री पद पर क्यों : अब अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि सनातन धर्म में शंकराचार्य की पहचान किसी राजनीतिक प्रमाणपत्र से नहीं होती। सरकार या कोई राजनीतिक दल यह तय नहीं करेगा कि कौन शंकराचार्य होगा। उन्होंने कहा, सनातन में ऐसी कोई परंपरा नहीं कि कोई मुख्यमंत्री या सरकार प्रमाणपत्र देकर शंकराचार्य नियुक्त करे। इन्होंने स्वामी वासुदेवानंद जी को शंकराचार्य का प्रमाणपत्र दिया। उन्हें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने रोक रखा है। कोर्ट बार-बार कह रही है कि इन्हें शंकराचार्य न कहा जाए। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सपा ने शंकराचार्य को मारा था। आप भी मार चुके हो। मतलब सपा ने जिसे मारा, उसे हम भी मार सकते हैं। अगर यही परिभाषा है, तो आप सपा से अलग कैसे हो सकते हो? जो अहंकार 2015 में अखिलेश के माथे पर चढ़ा था, वही अहंकार आप पर चढ़ गया है। अखिलेश तो बर्बाद हो गए।

# जज अपनी सीमाएं पहचानें, गलतियों से सीखें : सीजेआई

## कॉमनवेल्थ देशों के जजों की बैठक में कहा- दिखावे से ज्यूडिशियल लीडरशिप को नुकसान

**बदलाव**

तमसा संकेत, एजेंसी

- सीजेआई सूर्यकांत कॉमनवेल्थ ज्यूडिशियल एजुकेटर्स (सी.जे.ई) की 11वीं द्विवार्षिक बैठक में मुख्य वक्ता थे।

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब जज यह दिखाने लगते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं। उन्होंने न्यायिक नेतृत्व को देखने के तरीके में बदलाव की जरूरत बताई। साथ ही सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए। शुक्रवार रात दिल्ली में कॉमनवेल्थ ज्यूडिशियल एजुकेटर्स (CJE) की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि जज और न्यायिक संस्थाएं दोनों ही सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। जजों को अपनी सीमाओं का एहसास होना चाहिए। गलती की संभावना से सतर्क और सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। कानून एक जीवंत चीज है जो दुनिया के साथ बदलता है।

# सम्पादकीय

## खतरा बना एंटीबायोटिक का दुरुपयोग

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) आज दुनिया के सामने खड़े सबसे गंभीर, लेकिन सबसे कम समझे गए या जा रहे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक है। यह समस्या धीरे-धीरे उपचार के आधार को कमजोर कर रही है। बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी जब दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं, तब सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। भारत जैसे विकासशील देशों पर इसका असर और भी गहरा है, जहां संक्रमण का बोझ अधिक और स्वास्थ्य संसाधन सीमित हैं। 2019 में दुनिया भर में लगभग 50 लाख मौतें एएमआर से जुड़ी थीं। यदि वर्तमान में हम इसे लेकर जागरूक नहीं हुए और इस पर नियंत्रण नहीं किया, तो भविष्य में यह संख्या प्रतिवर्ष एक करोड़ तक पहुंच सकती है। यह संकट इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि इसके लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं, जब उपचार बेअसर होने लगता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। प्रधानमंत्री मोदी यह कहते रहे हैं कि चिकित्सकीय परामर्श के बिना एंटीबायोटिक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह अपील इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि आम सर्दी-खांसी, बुखार या वायरल संक्रमण जैसे कई रोग स्वयं ठीक हो जाते हैं, जिनमें एंटीबायोटिक का कोई रोल नहीं होता। इसके बावजूद दवाओं का अनावश्यक और तर्कहीन उपयोग हमारे समाज में आम व्यवहार बन चुका है। इस तरह का अंधाधुंध प्रयोग सूक्ष्म जीवों को और अधिक प्रतिरोधी बनने का अवसर देता है, जिससे भविष्य में जीवन रक्षक दवाएं असरहीन हो सकती हैं। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि जिस गति से सूक्ष्म जीव प्रतिरोधी बन रहे हैं, उस अनुपात में नई एंटीबायोटिक दवाएं विकसित नहीं हो रहीं। पिछले लगभग दो दशकों में एंटीबायोटिक्स की कोई नई प्रमुख श्रेणी सामने नहीं आई है। एक नई एंटीबायोटिक दवा विकसित करना 15 से 20 वर्षों का लंबा, जटिल और अत्यंत महंगा कार्य है। भारी निवेश के बावजूद आर्थिक प्रतिफल सीमित रहता है। यही कारण है कि फार्मास्युटिकल कंपनियां इस क्षेत्र में बड़े निवेश से कतराती हैं। सरकार ने एएमआर को रोकने के लिए कई स्तरों पर कार्ययोजना बनाई है। राष्ट्रीय कार्ययोजना के तहत निगरानी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है, ताकि दवा प्रतिरोध के रुझानों पर समय रहते नजर रखी जा सके। एंटीबायोटिक की ओवर-द-काउंटर बिक्री पर नियंत्रण, अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबियल स्टूअर्डशिप कार्यक्रम और प्रयोगशाला आधारित जांच को बढ़ावा देना इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। पशुपालन, कृषि और मत्स्य पालन में एंटीबायोटिक के उपयोग को नियंत्रित करने के प्रयास भी सरकार की वन हेल्थ रणनीति का हिस्सा हैं, जो मानव, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य को एक-दूसरे से जुड़ा मानती है। इस लड़ाई में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भी अहम भूमिका में है। आइएमए देश भर के चिकित्सकों को एएमआर के प्रति जागरूक करने, जिम्मेदार प्रिस्क्रिप्शन को बढ़ावा देने और आम जनता तक सही संदेश पहुंचाने में सक्रिय जिम्मेदारी निभा रहा है। आइएमए की एएमआर कमेटी लगातार यह चेतावनी देती रही है कि एंटीबायोटिक का दुरुपयोग केवल इलाज को मुश्किल नहीं बनाता, बल्कि पूरी पीढ़ी के लिए खतरा पैदा करता है। एंटीबायोटिक का सबसे अधिक दुरुपयोग मानव स्वास्थ्य की रक्षा के बजाय पशुओं, फल और सब्जियों की ग्रोथ बढ़ाने में हो रहा है। इस संकट का एक गंभीर पहलू पर्यावरण और नदियों से भी जुड़ा है। मानव गतिविधियों, अस्पतालों के अपशिष्ट, औद्योगिक कचरे, फार्मों से बहकर आने वाले एंटीबायोटिक अवशेष और पशुओं के मल-मूत्र के कारण नदियां, तालाब और भूजल भी एएमआर से संक्रमित हो रहे हैं। कई नदियों में रेजिस्टेंट बैक्टीरिया और एंटीबायोटिक अवशेष पाए जाने की चेतावनियां विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। ये एएमआर का सक्रिय वाहक बनते जा रहे हैं, जो पानी, मिट्टी और खाद्य श्रृंखला के जरिये मानव तक यह खतरा पहुंचा रहा है। इससे भोजन श्रृंखला दूषित और जल स्रोत संक्रमित हो रहे हैं। सामान्य जल शोधन प्रणालियां एएमआर को छानने में सक्षम नहीं हैं, जिससे यह पानी के जरिये भी मानव शरीर में प्रवेश कर रहा है। एएमआर के खिलाफ लड़ाई केवल डाक्टरों या सरकार की नहीं, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब तक आम नागरिक इस खतरे को नहीं समझेंगे, तब तक नीतियां और नियम सीमित असर ही दिखा पाएंगे। एंटीबायोटिक का उपयोग केवल योग्य चिकित्सकों की पर्ची पर होना चाहिए। दवाओं की पूरी खुराक और सही अवधि का पालन जरूरी है। ओवर-द-काउंटर बिक्री पर लगे प्रतिबंधों का सख्ती से पालन होना चाहिए। स्वच्छता, साफ-सफाई, सुरक्षित पानी और व्यापक टीकाकरण संक्रमण को रोकने के सबसे प्रभावी साधन हैं। बेहतर डायग्नोस्टिक सुविधाओं से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सही बीमारी में सही दवा दी जाए। साथ ही एंटीमाइक्रोबियल अनुसंधान और नवाचार के लिए सरकारी निवेश और प्रोत्साहन बढ़ाना समय की मांग है। अंततः एएमआर केवल एक चिकित्सकीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नीतिगत चुनौती है। आज एंटीबायोटिक्स का जिम्मेदार उपयोग ही यह तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियों के पास इलाज के प्रभावी विकल्प बचेंगे या नहीं।

# भारत बांग्लादेश संबंध के नवीकरण का वक्त

> इतिहास गवाह है-जो देश पड़ोस में लोकतंत्र को अवसर मानते हैं, वे स्थिर रहते हैं; जो उसे ख़तरा मानते हैं, वे अस्थिर होते हैं। बांग्लादेश ने अपना रास्ता चुन लिया है। अब भारत की बारी है कि वह अपनी राह चुने और एक-एक कर उसे दूर होते पड़ोसियों को चीन या पाकिस्तान की गोद में बैठने से बचाए।

बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर के रूप में मोहम्मद यूनुस और कुछ खास कर पाए हों या नहीं लेकिन एक काम तो उन्होंने कर ही दिया है कि बांग्लादेश को राजनीतिक उहापोह की स्थिति से निकालकर स्पष्ट जनादेश दिलवा दिया है। 12 फरवरी को हुए चुनावों के नतीजे सामने हैं और बांग्लादेश की जनता ने परिपक्व तरीके से न केवल चुनाव में भारी संख्या में मतदान किया अपितु अपने देश को कट्टरपंथी राजनीतिक विचारधारा के हाथों में जाने से भी बचा लिया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने स्वर्गीय खालिदा जिया और जियाउर रहमान के बेटे 60 वर्षीय तारिक रहमान के नेतृत्व में 299 में से 213 सीट जीतकर वहां लगभग दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर लिया है जबकि उसके प्रतिद्वंद्वी जमात ए इस्लामी को 74 सीट ही मिलीं हैं। आश्चर्यजनक रूप से छात्र आंदोलन के चेहरे बनाकर शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने वाले नाहिद इस्लाम की पार्टी एनसीपी को केवल दो सीट ही मिल पाई हैं और इसकी मुख्य वजह यही दिखती है कि उनका जमात ए इस्लामी के साथ गठबंधन का रणनीतिक निर्णय ग़लत रहा। बांग्लादेश का ताज़ा चुनाव कोई सामान्य सत्ता-परिवर्तन नहीं बल्कि एक पूरे राजनीतिक युग के अंत और नए शक्ति-संतुलन की शुरुआत समझ जाना चाहिए । यह चुनाव केवल संसद की सीटों का गणित नहीं है बल्कि उस सामाजिक-राजनीतिक बेचैनी की परिणति है जो वर्षों से सड़कों, विश्वविद्यालयों, श्रमिक बस्तियों और सीमावर्ती इलाकों में सुलग रही थी। इस जनादेश ने साफ संकेत दिया है कि देश अब पुराने ढर्रे की राजनीति से आगे निकलना चाहता है लेकिन यह रास्ता लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर जाएगा या नए असंतुलन की ओर, यह अभी भी एक अनुत्तरित ज्वलंत सवाल है। आंकड़ों की बात करें तो तस्वीर साफ है। संसद में स्पष्ट बहुमत एक ही राजनीतिक धारा के पक्ष में गया है। कुल सीटों का बड़ा हिस्सा एक ही बीएनपी के खाते में गया, जबकि विपक्षी ताकतें सीमित, बिखरी हुई और वैचारिक रूप से खंडित दिखाई देती हैं। मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत ऊँचा रहा, जो यह संकेत देता है कि जनता ने चुनाव को महज़ औपचारिकता नहीं माना बल्कि उसे सत्ता-परिवर्तन का माध्यम समझा। हालांकि यह भी सच है कि अवामी लीग की अनुपस्थिति से चुनावी मुकाबला

असंतुलित रहा लेकिन इसके बावजूद जनमत का संदेश दो-टूक है। पुरानी सत्ता संरचना से मोहभंग और नए विकल्प की तलाश। यह जनादेश मूलतः तीन संदेश देता है। पहला, जनता सत्ता के केंद्रीकरण से ऊब चुकी थी। दूसरा, आर्थिक असमानता, बेरोज़गारी और संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा निर्णायक रूप में वोट में बदला। तीसरा, राजनीति में नैरेटिव बदला है, अब सिर्फ 'स्थिरता' नहीं, बल्कि 'न्याय और समान अवसर' की भाषा असर कर रही है। यही कारण है कि यह चुनाव भावनात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक बदलाव का संकेत देता है। ऐसा नहीं लगता कि तारिक रहमान के नेतृत्व में आने वाली सरकार सहजता से शासन कर पाएगी शपथ लेने के साथ ही उनकी असली चुनौती शुरू होती है। नया नेतृत्व जितना शक्तिशाली जनादेश लेकर आया है, उतनी ही बड़ी उसकी ज़िम्मेदारी है। लोकतंत्र में बहुमत ताकत नहीं, उत्तरदायित्व होता है। यदि यह सरकार संस्थाओं को मजबूत करती है, विपक्षी आवाज़ों को सम्मान देती है और चुनावी जीत को 'सहमति की राजनीति' में बदलती है, तो बांग्लादेश एक नई लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ सकता है लेकिन यदि बहुमत 'वर्चस्व' में बदल गया, या फिर शेख हसीना की सरकार की तरह शक्तियों का केंद्रीकरण किया जाने लगा तो वही चक्र दोहराया जाएगा, जिससे बांग्लादेश बाहर निकला है। बांग्लादेश के राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मोर्चे की तस्वीर उतनी चमकदार नहीं है, जितनी राजनीतिक मंच से दिखाई जाती है। विकास दर के दावों के बावजूद ज़मीनी सच्चाई बेरोज़गारी, महँगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और असमान विकास की है। शहरी केंद्रों में समृद्धि का भ्रम है, लेकिन ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों में आर्थिक हाशियाकरण अब भी गहरा है। नया शासन अगर सिर्फ मैक्रो-इकोनॉमिक आँकड़ों में उलझा रहा और रोजगार-केंद्रित विकास मॉडल नहीं अपनाया, तो सामाजिक असंतोष जल्द ही राजनीतिक संकट में बदल सकता है। रही बात भारत-बांग्लादेश संबंधों की तो पिछले दशक में यह रिश्ता 'रणनीतिक साझेदारी' से 'रणनीतिक निर्भरता' की ओर बढ़ा था। ऊर्जा, ट्रांज़िट, व्यापार, सीमा-सुरक्षा के स्तर पर भारत की भूमिका निर्णायक रही लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही इस रिश्ते की भाषा बदलेगी। हो सकता है कि नया शासन भारत को सहयोगी तो माने, लेकिन एकमात्र रणनीतिक विकल्प नहीं। यह फर्क सूक्ष्म है पर निर्णायक। भारत अब 'स्वाभाविक साथी' रहेगा पर 'विशेषाधिकार प्राप्त साझेदार' की उसकी भूमिका बदलती दिखाई दे रही है। यह बदलाव सीधे दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिक्स को प्रभावित करेगा। बांग्लादेश का झुकाव बहु-ध्रुवीय विदेश नीति की ओर होगा,जहाँ भारत, चीन, खाड़ी देश, दक्षिण-पूर्व एशिया सभी समानांतर विकल्प होंगे। इसका अर्थ है कि भारत का क्षेत्रीय वर्चस्व नैरेटिव कमजोर हो सकता है और प्रतिस्पर्धात्मक कूटनीति का युग शुरू होने जा रहा है। यह केवल कूटनीतिक नहीं बल्कि भू-आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी होगी—बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, निवेश और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर। दक्षिण एशिया की राजनीति में इस चुनाव परिणाम का व्यापक असर पड़ेगा। नेपाल, श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों में पहले से ही संतुलन-नीति चल रही है। अब बांग्लादेश का जुड़ना इस क्षेत्र को एक ऐसे मोड़ पर ले जाएगा, जहाँ भारत को नेतृत्व 'स्वाभाविक' नहीं, बल्कि 'अर्जित' करना होगा। यानी सहयोग विश्वास से बनेगा, दबाव से नहीं। भारत के लिए यह क्षण आत्ममंथन का है। पड़ोस-नीति को सुरक्षा-केंद्रित चश्मे से देखने का समय अब खत्म हो रहा है। भारत को बांग्लादेश को "रणनीतिक फ्रंटलाइन" नहीं, बल्कि "समान साझेदार" के रूप में देखना होगा। भारत को अब शेख हसीना के समय में उपजे व्यक्तिवाद के समर्थन की रणनीति के बजाय कूटनीति का लोकतंत्रीकरण कर, आगे बढ़कर संबंधों का नवीकरण करना होगा । शिक्षा, संस्कृति, युवा, मीडिया और नागरिक संवाद के स्तर पर निवेश बढ़ाना होगा। आर्थिक सहयोग का नया मॉडल,सिर्फ परियोजनाएँ नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार-केंद्रित निवेश बनाना होगा और भाषा में संयम लाना पड़ेगा । भारत एवं बांग्लादेश दोनों देशों की सरकारों को समझना होगा कि हर मुद्दे को सुरक्षा समस्या बनाना रिश्तों को खोखला करता है। बहु-पक्षीय मंचों पर सक्रियता बिम्सटेक, क्षेत्रीय व्यापार मंचों और समुद्री सहयोग ढाँचों में नेतृत्व संभालना है तो व्यावहारिक बना होगा और नई सरकार को समर्थन देते हुए शेख हसीना के मुद्दे को भी सुलझाना होगा। दो-टूक सच यह है कि भारत यदि बांग्लादेश को "प्रभाव-क्षेत्र" की तरह देखेगा तो वह उसे धीरे-धीरे खो देगा। और यदि उसे "साझा भविष्य" का भागीदार मानेगा, तो यह रिश्ता और गहरा होगा। बांग्लादेश के चुनाव ने एक नई कहानी की शुरुआत की है। यह कहानी लोकतंत्र की मजबूती की भी हो सकती है और नए असंतुलन की भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ेगा कि सत्ता अपने बहुमत को कैसे समझती है।

**डॉ घनश्याम बादल**

## भारत-बांग्लादेश संबंध...

ललित गर्ग

# बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक धुरवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी

प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनस्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की "नई गंगा" तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

## रोजगार और उद्यमिता...

गजेंद्र सिंह

# युगों से शोषक" के सामूहिक अपराध-बोध पर टिकी राजनीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समता कानून 2026 पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक के बाद, भारत में सामाजिक न्याय और समानता से जुड़ी नीतियाँ एक बार फिर गहन सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में हैं। बजट घोषणाओं, प्रवेश नीतियों, छात्रवृत्तियों, कर-छूट, रोजगार योजनाओं और प्रतिनिधित्व के आँकड़ों तक—हर स्तर पर "समता" की व्याख्या पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच सरकारी स्कूल के एक शिक्षक का बच्चों को गलत अंग्रेज़ी पढ़ाते हुए वायरल वीडियो शिक्षा की बुनियादी गुणवत्ता पर चिंता बढ़ाता है तो स्नातकोत्तर मेडिकल प्रवेश में कट-ऑफ को ऋणात्मक स्तर तक ले जाने के बाद मेरिट, गुणवत्ता और नवाचार-आधारित भारत की अवधारणा पर बहस तेज़ हो जाती है। अब इस बहस में संविधान के अनुच्छेद 15(5) के तहत निजी संस्थानों में आरक्षण का प्रश्न भी पूरी तीव्रता के साथ जुड़ गया है । मूल सवाल यही है—क्या वर्तमान नीतियाँ वास्तव में असमानता कम कर रही हैं या वे नई असमानताओं को संस्थागत रूप दे रही हैं? इस संदर्भ में बजट 2026–27 एक निर्णायक उदाहरण बनकर सामने आता है। पीआरएस इंडिया के विश्लेषण के अनुसार अनुसूचित जातियों के लिए 1.96 लाख करोड़, अनुसूचित जनजातियों के लिए 1.41 लाख करोड़ और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए 32,000 करोड़ का प्रावधान सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर किया गया है। इसके समानांतर, अल्पसंख्यकों के लिए 3,400 करोड़ का पृथक आवंटन किया गया है, जिसमें वक्फ हेतु ब्याज-मुक्त ऋण और लगभग 300 योजनाएँ शामिल हैं

जिनका लाभ विशेष धार्मिक समुदाय तक सीमित रहेगा. पिछले वर्ष यह आवंटन 5,200 करोड़ था । यह भी उल्लेखनीय है कि बजट में अनेक कल्याणकारी योजनाओं को अनुपातिक रूप से अपेक्षाकृत कम धनराशि आवंटित की गई है जबकि इन योजनाओं का प्रभाव जाति, धर्म या पहचान से परे होकर पूरे समाज की उत्पादक क्षमता पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर जल जीवन मिशन 67,670 करोड़, पीएम-किसान 63,500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास 76,917 करोड़, समग्र शिक्षा 42,100 करोड़ और स्वास्थ्य मिशन 39,390 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 23,100 करोड़, पीएम सूर्य घर 22,000 करोड़, पीएम विकसित भारत रोजगार 20,083 करोड़, भारतनेट 20,000 करोड़ तथा अनुसंधान, विकास एवं नवाचार को भी केवल 20,000 करोड़ ही दिए गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी नीतिगत हस्तक्षेपों का स्वर लगातार विस्तृत होता गया है। जनवरी 2026 में बिहार सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान जैसे प्रमुख संस्थानों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की पूरी फीस राज्य द्वारा वहन करने की घोषणा की।

## जरा हटके

## सुप्रीम कोर्ट ने...

प्रमोद दीक्षित मलय

# महाशिवरात्रि : आध्यात्मिक उत्कर्ष का पावन पर्व

धर्म धुरी पुण्यभूमि भारत व्रत, पर्व, उपवास एवं आध्यात्मिक साधना का क्षेत्र है। यहां हर दिन कोई न कोई त्योहार एवं उत्सव का आयोजन है। उत्सवधर्मी समाज जीवंतता का प्रतीक होता है और सुख, समृद्धि एवं सम्पन्नता का भी। प्राचीन काल से ही भारत का लोकजीवन भौतिकता एवं आध्यामिकता के सबल पंखों के सहारे न केवल दैनंदिन जीवन में विकास एवं विस्तार को गति दी अपितु उन्नति के शिखरों को स्पर्श भी किया; वहीं तप, त्याग, परोपकार एवं आध्यात्मिक जीवन के पथ पर बढ़ते हुए आम जन को लोक कल्याण के सूत्र सौंपे। भारतीय सनातन परम्परा में व्रत, उपवास एवं त्योहार आत्मिक चेतना के सम्बोध, गहन साधना, जीवन की निर्मलता, शारीरिक शुद्धता एवं पवित्रता का माध्यम रहे हैं। सनातन हिंदू मान्यता में मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है। उपासना, जप-तप एवं व्रत तथा साधना एवं जागरण के द्वारा साधक मुक्ति पथ पर अग्रसर होता है। महाशिवरात्रि व्रत एवं साधना व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्कर्ष एवं मोक्ष प्राप्ति का पावन अवसर तो है ही, साथ ही जागतिक कल्याण की भावना का सबलीकरण भी है क्योंकि शिव कल्याण करने वाले हैं। शिवत्व वैश्विक कल्याण की जाग्रत भावना है, महाशिवरात्रि में साधक शिवत्व प्राप्त कर जीवन में स्थिरता एवं गम्भीरता की कामना करते हैं। 'शिवो भूत्वा, शिवम् यजेत्' अनुसार साधक भगवान शिव की आराधना हेतु शिव की कल्याणकारी भावना से ओत-प्रोत हो भक्ति में लीन होते हैं। महाशिवरात्रि उत्सव फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी-चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। दिन में शिवलिंग का पूजन एवं अभिषेक आदि तथा रात्रि में कीर्तन एवं ध्यान-साधना तथा जागरण के द्वारा शिव आराधना कर आध्यात्मिक दृष्टि से स्वयं को उज्ज्वल, निर्मल मन कर शिवमय हो जाते हैं। शास्त्रों में महाशिवरात्रि का व्रत को 10000 बार गंगा स्नान एवं 100 यज्ञों के समान फलदायी बताया गया है। विभिन्न प्रकार की शिवरात्रि का वर्णन शास्त्रों में मिलता है। नित्य शिवरात्रि, मास शिवरात्रि, प्रथमादि शिवरात्रि तथा महाशिवरात्रि। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भगवान शिव चतुर्दशी तिथि के स्वामी कहे गये हैं और

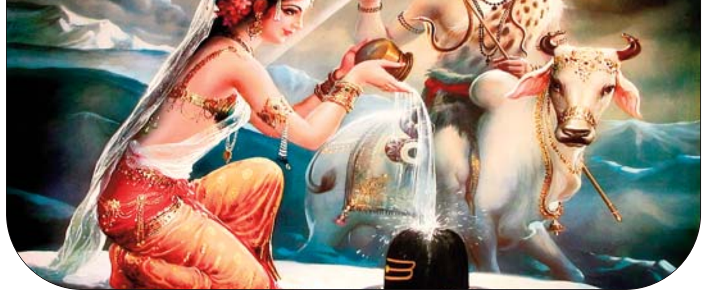

त्रयोदशी के स्वामी कामदेव है। स्कंद पुराण के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन पूजन, ओम नमः शिवाय मंत्र-जाप तथा उपवास करने से मनुष्य जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो परमधाम शिवधाम को प्राप्त होता है। महाशिवरात्रि अज्ञान पर ज्ञान की प्रतिष्ठा का प्रतीक है। महाशिवरात्रि व्रत करने एवं उत्सव मनाने के संदर्भ में शास्त्रीय परम्परा में कुछ दृष्टांत मिलते हैं। कहा जाता है कि इसी दिन माता पार्वती से भगवान शिव का विवाह हुआ था। उस आनन्द के अनुभव को जीने के लिए व्रत करते हुए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। यह दाम्पत्य जीवन में सुख, शांति, सामंजस्य एवं समृद्धि देने वाला है। देवों एवं दैत्यों की संधि अनुसार सिंधु से रत्नादि प्राप्त करने हेतु समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मंथन के प्रारंभ में कालकूट विष निकला। उसकी ज्वाला की ताप से जीव-जंतु त्राहि-त्राहि करने लगे। देव-देत्यों में कोई भी उस विष को ग्रहण करने को तैयार नहीं था क्योंकि वह ग्रहण करने वाले को जलाकर नष्ट करने वाला था।

# प्रेम पंथ

विज्ञान की अदभुत देन असम्भव काम को सम्भव बनाना हैं तो क्यों प्रेम पंथ पर चलना मुश्किल हैं ? मानव का स्वाभाविक स्वभाव ही प्रेम है। प्रेम की फुहार वह चीज है जो इन्सान को मुरझाने नहीं देती हैं । जीवन का एक शाश्वत नियम है कि घृणा से घृणा कभी नहीं मिटती हैं । घृणा तो प्रेम से ही मिटती है । सच्चे प्रेम में अद्भुत,अदृश्य शक्ति है न कि केवल भावनाओं की भक्ति हैं । प्रेम की डोर बहुत नाजुक होती है । वह इतनी मजबूत होती है कि सही से भगवान को भी बाँध सकती हैं । प्रेम की यह अदृश्य शक्ति हमारे बिना जाने ही जीवन में माधुर्य भर देती हैं । वह जीवन को सौन्दर्यमय कर देती हैं । इसीलिए सच्चे प्रेम को विधाता की अनुपम कृति कहा जाता है । प्रेम आनन्द हैं , सुख व शान्ति हैं , संजीवनी बुटी हैं , वह स्वर्ग का द्वार आदि - आदि हैं । प्रेम की धुरी है कि सबकी आत्मा एक है। यह जीवन का बहुत बड़ा विवेक हैं । वह तब अपना परायापन समाप्त हो स्वतः परस्पर प्रेम व्याप्त हो जाता है। हमें दूसरों के सुख-दुःख एकदम अपने लगने लगते हैं। वो-वह-वे पराये हैं सपने हो जाते हैं। पवित्र प्रेम से भरे जीवन की हर स्थिति आनन्दमय हो जाती हैं । सच्चा प्रेम निःस्वार्थ होता है । वह लेने की भावना रहित अधिकाधिक देने ही देने की भावना सहित होता हैं । प्रेम ही सत्य हैं । प्रेम ही शाश्वत है। ढाई अक्षर प्रेम का जीवन की भागवत बन जाते हैं। प्रेम दुःख की अचूक दवाई है । मदर टेरेसा के स्नेहिल स्पर्श से न जाने कितने पीड़ित, मानसिक रूप से टूट चुके इन्सानों आदि ने जीवन शक्ति पाई। दुनिया का रंग कुछ और ही हो जाए यदि सबका मन पवित्र निःस्वार्थ प्रेम के रंग में रंग जाए । प्रेम की स्नेहिल नींव पर ही माँ व शिशु का आत्मिक संबंध टिका है । चाहे पति पत्नी का संबंध हो ।वास्तव में मानव वही है जिसके ह्रदय में समस्त सृष्टि से प्रेम का स्वाभाविक अनुबंध है । किसी कवि की ये पंक्तियाँ कितनी सार्थक हैं कि प्रेम बीज जो पड़े न होते मन के बंजर रहते खेत। प्रेम रंग जो भरे न होते पृष्ठ ह्रदय के रहते श्वेत। इसलिए जिसका ह्रदय जितने निर्मल प्रेम भाव से भरा-भरा है । वह महानता में उतना ही खरा -खरा है । धर्म हीं सचमुच प्रेम पंथ हैं । वह जों आत्मा से सम्बन्ध रखता है वह अहिंसा,सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह आदि का जीवन जीता हैं । शान्ति , सरलता के साथ में आत्मलीनता प्रेम पंथ को स्वच्छ बनाते हैं । सदभावना , करुणा, सहनशीलता, क्षमा, प्रमोद भावना आदि धर्म तक पहुँचते अनेको साधन हैं । वह जिनका समता में रमण होता हैं वे प्रेम के रास्ते को प्रकाशमान करते हैं । निश्चल, निस्वार्थ, निष्कपट मन आदि स्वतः प्रेम के संग चलने लगता हैं ।वह परमात्मा से मिलन हों जाता हैं । सिद्धालय तक पहुँचने का मार्ग हीं प्रेम पंथ है ।

> प्रदीप छाजेड़

# भारत-पाक महामुकाबले पर हरभजन की सलाह

## टीम इंडिया को स्पिनर उस्मान तारिक से सावधान रहना होगा, मोंगिया ने हार्दिक पंड्या को गेम चेंजर बताया

दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाई-वोल्टेज मैच से पहले पूर्व क्रिकेटरों ने टीम इंडिया की जीत का भरोसा जताया है। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान को हराने में सक्षम है, हालांकि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक से सावधान रहने की सलाह भी दी है। वहीं, पूर्व विकेट-कीपर नयन मोंगिया ने कहा कि भारतीय युवा अब निडर होकर खेलते हैं और पाकिस्तान पर लगातार हार का मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। हरभजन सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत की टीम मजबूत और संतुलित है, लेकिन मैच के दौरान धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी होगा। उन्होंने कहा,'भारत यह मैच जीतेगा। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक जैसा अच्छा स्पिनर है, इसलिए उसे संभलकर खेलना होगा। भारतीय टीम बहुत अच्छी है। हमें उम्मीद है कि खिलाड़ी बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाएं और जीत हासिल करें। मोंगिया को ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। हार्दिक का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है और वे दबाव भरे मैचों में टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कुल मिलाकर, पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि अगर भारतीय टीम बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाती है और प्रमुख खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करना मुश्किल नहीं होगा।

### उस्मान तारिक की शानदार फॉर्म, एक्शन पर विवाद

*पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक हाल के टी-20 मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कम औसत से कई विकेट लिए हैं और विरोधी बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। हालांकि, उनके बॉलिंग एक्शन को लेकर कुछ लोगों ने सवाल उठाए हैं और इसकी नियमों के अनुरूप होने पर विवाद भी बना हुआ है।*

**मोंगिया ने कहा,'यह मुकाबला रोमांचक होगा और हमें उम्मीद है कि भारत जीतेगा। जिस तरह टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर रही है और कप्तान आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं, उससे टीम का आत्मविश्वास साफ दिखता है। पाकिस्तान लगातार सात-आठ बार आईसीसी टूर्नामेंट में हार चुका है, इसलिए उन पर ज्यादा दबाव रहेगा।'**

### मोंगिया को भी भारत की जीत का भरोसा

पूर्व भारतीय विकेटकीपर नयन मोंगिया ने भी भारत की जीत की उम्मीद जताई है। उनका मानना है कि मौजूदा समय में भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी ऊंचा है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक क्रिकेट में मैच का रुख कभी भी बदल सकता है। 'अब क्रिकेट बहुत बदल गया है। भारत के युवा खिलाड़ी निडर हो गए हैं। एक ओवर, एक चौका या एक छक्का भी मैच पलट सकता है।'

# चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुंबले-द्रविड़ के नाम पर दो स्टैंड्स होंगे

## द्रविड़ बोले- घर से ज्यादा वक्त इस मैदान पर बिताया

दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के 50 साल इंटरनेशनल क्रिकेट के पूरे होने पर स्टेडियम के दो स्टैंड्स का नाम अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर रखा गया है। कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद की अगुवाई में आयोजित इस समारोह में कुंबले और द्रविड़ को भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर दोनों ही खिलाड़ी भावुक नजर आए और उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। अनिल कुंबले के लिए यह पल बेहद खास था। उन्होंने कहा,'मैं पहली बार 9 साल की उम्र में एक दर्शक के तौर पर यहां मैच देखने आया था। आज इसी स्टेडियम के पवेलियन पर अपना नाम देखना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और मैं थोड़ा इमोशनल भी हूं। चिन्नास्वामी स्टेडियम का 50 साल का सफर दरअसल भारतीय क्रिकेट की ग्रोथ को भी दिखाता है। मैं BCCI का भी शुक्रगुजार हूं जिसने ऐसा स्ट्रक्चर बनाया कि भारत के हर कोने से आने वाले सपनों को मौका मिल सके। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को अपना दूसरा घर बताया। उन्होंने कहा,'जैसा अनिल ने कहा, हमने शायद अपने घरों से ज्यादा वक्त इस मैदान पर बिताया है। यह वह जगह है जिसने मुझे बहुत खुशी दी और कभी-कभी निराशा भी, लेकिन आज मैं जो कुछ भी हूं,इसी मैदान की वजह से हूं। मैं KCA अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद और उनकी कमेटी का आभारी हूं कि उन्होंने मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखने का फैसला किया।'

### फास्ट न्यूज

#### ट्रम्प ने दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत को मिडिल-ईस्ट भेजा

वॉशिंगटन। अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। अमेरिका अब अपना सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर USS जेराल्ड आर. फोर्ड वहां भेज रहा है। यह एक न्यूक्लियर-पावर्ड कैरियर एयरक्राफ्ट है। रॉयटर्स को दो अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है।

#### विजय-रश्मिका ने ₹60 करोड़ का नेटफ्लिक्स का ऑफर ठुकराया!

मुंबई। एक्टर विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपनी कथित शादी के वीडियो के ओटीटी स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए 60 करोड़ रुपए का ऑफर ठुकरा दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, नेटफ्लिक्स ने कथित तौर पर शादी के एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए 60 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया था, जिसे दोनों ने अस्वीकार कर दिया। वहीं, टॉलीवुड न्यूज पोर्टल टुपाकी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विजय और रश्मिका जल्द शादी कर सकते हैं। इसी के चलते कई ओटीटी प्लेटफॉर्म उनके पास शादी का वीडियो खरीदने के लिए संपर्क कर रहे हैं। एक बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी उन्हें मोटी रकम की पेशकश की है। लेकिन जानकारी के मुताबिक, विजय और रश्मिका किसी भी कीमत पर अपनी कथित शादी का वीडियो बेचना नहीं चाहते।

#### एअर इंडिया पर ₹1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारत के नागरिक उड्डयन नियामक (DGCA) ने एअर इंडिया पर 1.10 लाख डॉलर (करीब 1 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई एक एयरबस विमान को बिना 'एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट' (विमानल उड़ाए जाने योग्य है या फिटनेस सर्टिफिकेट) के 8 बार उड़ाए जाने के कारण की गई। DGCA ने एक गोपनीय आदेश में कहा है कि इस चूक से देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन पर जनता का भरोसा और कम हुआ है।

# धमकी मामले में रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज

## रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग केस में क्राइम सीन भी किया गया रीक्रिएट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के मैनेजरों के बयान दर्ज किए हैं। वहीं, इसके अलावा अलग से क्राइम ब्रांच ने रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग से जुड़े घटनाक्रम को दोबारा रीक्रिएट किया है। इसमें पुणे से मुंबई एक स्कूटर लाना भी शामिल है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, यह रीक्रिएशन पुलिस हिरासत में मौजूद चार आरोपियों- स्वप्निल सकट, आदित्य गायकी, सिद्धार्थ येनपुरे और समर्थ पोमाजी के साथ किया गया। जांच टीम ने उनके बताए सफर के हर स्टेप को फिर से देखा, ताकि अहम जानकारियां और सबूत जुटाए जा सकें। रीक्रिएशन के दौरान पुलिस अधिकारी आरोपियों के साथ पुणे में स्कूटर खरीदने की जगह से लेकर रास्ते के स्टॉप्स और मुंबई के विले पार्ले स्टेशन के बाहर तक गए। पूरे प्रोसेस की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। जांच में नए फाइनेंशियल डिटेल्स सामने आए। क्राइम ब्रांच के अनुसार, स्कूटर मुंबई पहुंचाने के बाद मुख्य आरोपी शुभम लोंकर ने आरोपियों को अतिरिक्त 11,000 रुपए दिए। पहले पुलिस ने 40,000 रुपए मिलने की बात कही थी। बाद की जांच में पता चला कि कुल 51,000 रुपए दिए गए। इनमें से 30,000 रुपए स्कूटर खरीदने में खर्च हुए, जबकि 21,000 रुपए आरोपियों ने खर्च किए। सूत्रों के मुताबिक, इस केस के छठे आरोपी प्रवीण लोंकर को अगले दो-तीन दिनों में जेल से हिरासत में लिया जा सकता है।

# वैलेंटाइन डे पर 'बैटल ऑफ गलवान' का रोमांटिक सॉन्ग हुआ रिलीज

## गाने 'मैं हूं' में दिखी सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की लविंग केमिस्ट्री

मुंबई, एजेंसी

वैलेंटाइन डे के खास मौके पर फिल्म Battle of Galwan का रोमांटिक गाना Main Hoon रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में Salman Khan और Chitrangda Singh की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। गाने को Salman Khan Films ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जारी किया। रिलीज के साथ ही यह ट्रैक फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। 'मैं हूं' एक सॉफ्ट और इमोशनल रोमांटिक ट्रैक है, जिसमें देशभक्ति की पृष्ठभूमि के बीच प्यार की कोमल भावनाओं को दिखाया गया है। गाने में सलमान और चित्रांगदा की लविंग बॉन्डिंग को बेहद खूबसूरती से फिल्माया गया है। इससे पहले फिल्म का देशभक्ति से भरपूर गीत Matrubhoomi रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस गाने को अब तक 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। मेकर्स को उम्मीद है कि वैलेंटाइन डे पर रिलीज किया गया 'मैं हूं' भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाएगा और फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ाएगा।

### दोनों ही इमोशंस को बैलेंस्ड तरीके से दिखाया गया

वीडियो में सलमान खान फैमिली के साथ खुशहाल लम्हों को एंजॉय करते नजर आते हैं, वहीं कुछ सीन में दूरी और इंतजार की फीलिंग भी दिखाई देती है। चित्रांगदा सिंह ने अपने रोल को ग्रेस और सटल स्ट्रेंथ के साथ निभाया है। दोनों की केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और रियल लगती है।

### अयान लाल ने गाने को कंपोज किया

फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर अयान लाल ने इस गाने को कंपोज किया है। ट्रैक को उन्होंने श्रेया घोषाल के साथ अपनी आवाज भी दी है। इसके लिरिक्स अयान लाल और शब्बीर अहमद ने लिखे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है। वहीं, इसका डायरेक्शन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। गाना एक फौजी और उसके परिवार के रिश्ते की भावनात्मक कहानी को दर्शाता है।

**मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसकी ऑफिशियल लिंक भी जारी की है। ट्रैक में फैमिली के साथ बिताए खुशनुमा पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से होने वाली जुदाई तक की इमोशनल जर्नी दिखाई गई है।**

# यूरोप की आजादी की गारंटी नहीं : जर्मन चांसलर मर्ज

## अमेरिका से रिश्तों में गहरी दरार, नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म

म्यूनिख, एजेंसी

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (MSC) को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे। मर्ज ने कहा कि ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। उनके मुताबिक, अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है।

**मर्ज ने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।**

## रूस-चीन के डिफेंस सिस्टम फेल हो गए, कहा- एक दिन सब पता चलेगा

# वेनेजुएला में सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया : ट्रम्प

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि वेनेजुएला में 3 जनवरी को हुए सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका ने एक सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया। ट्रम्प के मुताबिक इस हथियार की वजह से रूस और चीन के डिफेंस सिस्टम काम नहीं कर पाए। नॉर्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग सैन्य बेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने इस हथियार को 'डिसकम्बोबुलेटर' कहा। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया। यह पहली बार है जब ट्रम्प ने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में इस सीक्रेट हथियार का जिक्र किया है। इससे पहले वह एक बार जिक्र कर चुके थे। पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "मुझे इसके बारे में बात करने की अनुमति नहीं है। लेकिन इतना बता दूं, सब कुछ गड़बड़ा दिया गया था। वेनेजुएला के अधिकारियों के मुताबिक, हमले की शुरुआत अमेरिकी बमबारी से हुई थी, जिसमें सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई में 83 लोगों की मौत हुई और 112 से ज्यादा लोग घायल हुए।

**ट्रम्प ने कहा वेनेजुएलाई सैनिकों को एक भी गोली चलाने का मौका नहीं मिला। रूसी उपकरण काम नहीं किए। चीनी उपकरण काम नहीं किए। सब यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा क्यों हुआ। एक दिन आपको इसके बारे में पता चलेगा।।**

### अमेरिका ने हमले के लिए 150 विमानों का इस्तेमाल किया

अमेरिकी जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन एयर फोर्स जनरल डैन केन के मुताबिक, वेनेजुएला पर हमले के लिए 20 ठिकानों से 150 से ज्यादा विमानों ने उड़ान भरी। इनमें बॉम्बर्स, फाइटर जेट, इंटेलिजेंस और सर्विलांस प्लेटफॉर्म शामिल थे। इस ऑपरेशन में अमेरिकी सैनिक रात के अंधेरे में हेलिकॉप्टर से वेनेजुएला की राजधानी कराकास पहुंचे। उन्होंने भारी सुरक्षा के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया।

## गिरावट : चांदी ₹2,496 सस्ती हुई, ₹2,42 लाख किलो पर आई

# सोना इस हफ्ते ₹687 महंगा, ₹1.52 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने की कीमत मामूली बढ़त और चांदी के दाम में गिरावट रही। सोने के दाम शुक्रवार 13 फरवरी को 687 रुपए बढ़कर 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। इससे पहले ये बीते हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन यानी 6 फरवरी को ये 1,52,078 रुपए पर थे वहीं, चांदी की कीमत 2,496 रुपए गिरकर 2,42,433 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले 6 फरवरी को इसकी कीमत 2,44,929 रुपए प्रति किलो थी। हालांकि, इस हफ्ते में 11 फरवरी को सोना 1,57,322 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,66,449 रुपए प्रति किलो पहुंच गया था। इस साल अब तक सोने की कीमत 19,570 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,52,765 रुपए हो गया है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी।

**वहीं, चांदी 12,013 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,42,433 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।**

### 2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

- 2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।
- चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

### सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

### ड्यूरोफ्लेक्स समेत 5 कंपनियों के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

मुंबई। सेबी ने ड्यूरोफ्लेक्स और हेक्सागन न्यूट्रिशन समेत कुल 5 कंपनियों के पब्लिक इश्यू को हरी झंडी दे दी है। 13 फरवरी को सेबी ने इन कंपनियों के ड्राफ्ट पेपर्स पर अपनी 'ऑब्जर्वेशन' जारी की। अब ये कंपनियां अगले कुछ महीनों में अपना आईपीओ बाजार में उतार सकेंगी। जिन 5 कंपनियों को मंजूरी मिली है उनमें प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, विरूपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागन न्यूट्रिशन, ओम पावर ट्रांसमिशन और मैट्रेस ब्रांड ड्यूरोफ्लेक्स शामिल हैं। ये कंपनियां फ्रेश शेयर जारी करने और ऑफर फॉर सेल के जरिए रकम जुटाएगी। ये 183.6 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेंगी। इसके अलावा मौजूदा निवेशक और प्रमोटर्स OFS के जरिए 2.25 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। इस फंड का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को चुकाने और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने में कर सकती है। यह स्लीप सॉल्यूशंस कंपनी है, जो मुख्य रूप से मैट्रेस, फोम, बेड और पिलो बनाती है। यह ऑर्थोपेडिक गद्दों के लिए काफी मशहूर है। करीब 50 साल से इस सेक्टर में काम कर रही है।

# खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश का मामला

## भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की सजा, न्यूयॉर्क कोर्ट में गुनाह कबूला

न्यूयॉर्क, एजेंसी

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई। निखिल ने शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क की कोर्ट में गुनाह कबूल कर लिया है। 29 मई को सजा का औपचारिक ऐलान किया जाएगा। अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने एक्स पर पोस्ट कर निखिल गुप्ता के अपराध कबूलने की जानकारी दी। FBI के मुताबिक, यह साजिश एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए रची गई थी, जिसे अमेरिकी एजेंसियों ने समय रहते नाकाम कर दिया। US अटॉर्नी ऑफिस के बयान के मुताबिक, निखिल गुप्ता उर्फ 'निक' ने सेकंड सुपरसिडिंग इंडिक्टमेंट में लगाए गए तीनों आरोपों को स्वीकार किया है। इन आरोपों में मर्डर-फॉर-हायर, मर्डर-फॉर-हायर की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश शामिल है। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर विकास यादव ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश रचने को कहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया है कि भारतीय सरकार के एक कर्मचारी ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए एक हिटमैन की व्यवस्था करने को कहा था। यह आरोप मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में दाखिल इंडिक्टमेंट में लगाया गया था। उस कर्मचारी को आरोपपत्र में CC-1 कहा गया है। अमेरिका में वांटेड विकास यादव को दिल्ली पुलिस ने 18 दिसंबर 2023 को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ दिल्ली के एक बिजनेसमैन ने हत्या के प्रयास और किडनैपिंग का केस दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने विकास और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया था। व्यापारी ने विकास और गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के संबंधों के बारे में भी बताया था। इस मामले में विकास को अप्रैल 2024 में जमानत मिल चुकी है।

### राष्ट्रीय कुली मोर्चा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की पारदर्शिता की अपील, सामाजिक सुरक्षा और स्थायी समायोजन पर ठोस कार्रवाई की मांग

# कुलियों की आजीविका पर रिपोर्ट संसद में रखने की मांग तेज

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। राजधानी में कुली/यात्री सहायक संवर्ग के मुद्दों को लेकर एक बार फिर आवाज़ बुलंद हुई है। Rashtriya Kuli Morcha ने रेल मंत्री Ashwini Vaishnaw से मांग की है कि रेल मंत्रालय द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखा जाए। यह जांच कुली और यात्री सहायकों की आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और सेवा से जुड़े मुद्दों के संबंध में कराई गई थी। मोर्चा के संयोजक राम सुरेश यादव ने बताया कि रेल मंत्रालय ने 19 जून 2025 को देशभर के मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश जारी कर कुली/यात्री सहायक संवर्ग की स्थिति पर विस्तृत जांच करने को कहा था। इस जांच में उनकी आय के स्रोत, सामाजिक सुरक्षा, सेवा की स्थिरता और भविष्य की संभावनाओं का आकलन किया जाना था। लेकिन अब तक न तो जांच की प्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही उन सांसदों को इसकी जानकारी दी गई है, जिनके पत्रों के आधार पर जांच के आदेश जारी हुए थे। मोर्चा ने इस स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि पारदर्शिता के अभाव में हजारों कुलियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। संगठन का कहना है कि कुली/यात्री सहायक रेलवे व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं और यात्रियों की सुविधा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, फिर भी उन्हें सामाजिक सुरक्षा और स्थायी आजीविका से वंचित रखा गया है। इसके अलावा वर्ष 2008 की तर्ज पर कुली/यात्री सहायक संवर्ग को रेलवे की स्थायी सेवाओं में समायोजित करने की प्रक्रिया दोबारा शुरू करने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि इससे हजारों परिवारों को स्थिर आय और सम्मानजनक जीवन मिल सकेगा। सामाजिक सुरक्षा के तहत कुलियों के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा, परिवार के लिए आयुष्मान या उम्मीद कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा, वर्दी, सुविधायुक्त विश्रामगृह, रेलवे पारिवारिक पास की सुविधा तथा वृद्ध कुलियों के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करने की भी मांग उठाई गई है। साथ ही बैटरी चालित वाहनों का संचालन रेलवे के निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप करने, कुलियों के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा, परिवार के लिए आयुष्मान/उम्मीद कार्ड के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा, वर्दी व विश्रामगृह की सुविधा, रेलवे पारिवारिक पास और वृद्ध कुलियों के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई है।

## संसद में रिपोर्ट रखने की मांग

राष्ट्रीय कुली मोर्चा ने मांग की है कि जांच रिपोर्ट को संसद में प्रस्तुत कर उस पर चर्चा कराई जाए। साथ ही रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर कुली/यात्री सहायकों की आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और समायोजन के संबंध में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मोर्चा ने अपनी मांगों में कहा है कि रेलवे स्टेशनों पर चलने वाले बैटरी चालित वाहनों का संचालन रेलवे के निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया जाए, ताकि यात्रियों और कुलियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

## सैकड़ों कुलियों की भागीदारी

प्रदर्शन में जलील अहमद, अकील अहमद, मोहित अहमद, राघवेंद्र प्रताप सिंह, रमेश यादव, कल्लन शाह, अकीब, नामदार अली, फुरकान अली, संजीवन, अकबर अली, राम प्रीत, अजय कुमार, विजय, अखिलेश, सीताराम, राकेश, सुनील कुमार, सोहित यादव, अवधेश यादव, बैजनाथ यादव, अली हैदर सहित सैकड़ों कुलियों ने भाग लिया। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# शंकराचार्य टिप्पणी पर सपा का हमला

### अभद्र बयान को बताया शाब्दिक हिंसा, महाकुंभ, मुआवज़ा और 'कानून के शासन' पर सरकार को घेरा

**तमसा संकेत, एजेंसी**

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने शंकराचार्य से जुड़े विवादित बयान को लेकर भाजपा पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "पहन ले कोई जैसे भी चोले, पर उसकी वाणी पोल खोल देती है।" अखिलेश यादव ने कहा कि परम पूज्य शंकराचार्य के बारे में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग शाब्दिक हिंसा है और पाप भी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पर सदन में मेजें थपथपाने वाले भी उतने ही जिम्मेदार हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि जब भाजपा विधायक सदन से बाहर निकलकर जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर ही उनका 'सदन' लगा देगी। उन्होंने कहा कि धर्म-पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार उन लोगों को नहीं है, जो खुद गंभीर आरोपों से घिरे रहे हैं। अखिलेश यादव ने महाकुंभ में हुई मौतों के आंकड़ों को लेकर सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कैश में मुआवज़ा देकर भ्रष्टाचार की गुंजाइश बनाई गई और जिन तक मुआवज़ा नहीं पहुंचा, उनका पैसा कहां गया—इसका जवाब नहीं दिया गया। सपा अध्यक्ष ने बयान में 'कानून का शासन' शब्द प्रयोग पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या इसे सुधारने के लिए दोबारा सदन बुलाया जाएगा या फिर 'प्रायश्चित' किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब इंसान की जगह अहंकार बोलता है तो संस्कार विकार में बदल जाते हैं और व्यक्ति समाज में सम्मान खो देता है। अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य पर दिया गया अभद्र बयान सदन की कार्यवाही में दर्ज हो चुका है और यह अत्यंत निंदनीय है। शंकराचार्य टिप्पणी पर सपा का हमला, अखिलेश बोले—'वाणी से खुलती है असली पहचान' अभद्र बयान को बताया शाब्दिक हिंसा; महाकुंभ, मुआवज़ा और 'कानून के शासन' पर सरकार सपा प्रमुख ने कहा कि जब इंसान की जगह अहंकार बोलता है तो संस्कार विकार में बदल जाते हैं। ऐसा व्यक्ति समाज में अपना सम्मान खो देता है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के संबंध में दिया गया अभद्र बयान सदन की कार्यवाही में स्थायी रूप से दर्ज हो चुका है और यह अत्यंत निंदनीय है।

## फास्ट न्यूज

### लखनऊ में धमाके के साथ जला डंपर

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में देर रात बड़ी दुर्घटना हो गई। एक डंपर का टायर धमाके के साथ फट गया जिससे वह फ्लाईओवर एलिवेटेड रोड के पिलर पर टकरा गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। करीब आधे घंटे तक डंपर जलता रहा। इस दौरान आग की लपटें ऊपर एलिवेटेड रोड पर छू रही थीं और आसपास का आसमान धुएं से पूरी तरह काला हो गया।

### लखनऊ नगर निगम ने 5 करोड़ की जमीन कराई खाली

लखनऊ। लखनऊ के मीरानपुर में नगर निगम की टीम ने 5 करोड़ रुपए की कीमती जमीन से कब्जा हटाया। अवैध कब्जेदारों के खिलाफ हुए एक्शन में नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की है। मौके पर लोगों के विरोध पर सरोजनीनगर थाना पुलिस मौजूद रही। इस बीच विरोध कर रहे लोगों को शांत कराया गया। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इसके लिए कई बार शिकायत दी गई थी। इसके लिए अवैध कब्जेदारों को नोटिस भी दिया गया था। इसके बाद बुलडोजर चलाकर एक्शन लिया गया। मीरानपुर में गाटा संख्या 12 पर यह जमीन स्थित है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मौके पर चेतावनी दी गई कि अगर दोबारा कब्जा किया गया तो फिर से कार्रवाई होगी। अवैध कब्जेदारों ने कानपुर रोड मेन रोड के बगल में स्थित पर इस जमीन पर कब्जा किया था।

### लव मैरिज करने पहुंचा, लड़की के भाई ने पीटा

कानपुर। प्रेमिका से गुपचुप तरीके से लव मैरिज करने पहुंचे लड़के को रजिस्ट्रार ऑफिस के बाहर लड़की के परिजनों ने पीट दिया। मारपीट से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें युवती के मां और भाई लड़के की कॉलर पकड़ कर उसे एक के बाद एक थप्पड़ जड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हंगामा होते देख वकीलों ने बीच–बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया। जानकारी पर पहुंची कोतवाली पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर पहुंची, जहां दोनों ने समझौता कर लिया।

# डिप्टी कमिश्नर के भाई की हरदोई में हत्या

### मरने से पहले अपनी अंतड़ियां समेटी, बोला-जिंदा हूं भाई को आने दो

- डिप्टी कमिश्नर के भाई ने मरने से पहले हत्यारों के नाम बताए।
- जिला अस्पताल में इलाज के दौरान विजय ने दम तोड़ दिया।
- पुलिस और फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से सबूत जुटाए और लोगों से पूछताछ की।

**तमसा संकेत, एजेंसी**

विजय प्रताप, मृतक

हरदोई। मथुरा के डिप्टी कमिश्नर (उद्योग) के भाई की हरदोई में हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह 5 बजे हमलावरों ने घर में घुसकर भाई पर बांके से हमला किया। चीख पुकार मची तो हमलावर भाग गए। मां और पड़ोसी भागकर पहुंचे तो देखा वह पेट के बल जमीन पर तड़प रहा था और शरीर से खून बह रहा था। यह देखकर लोग घबरा गए। पड़ोसी जब अस्पताल ले जाने लगे तो घायल युवक ने कहा- मैं अभी मरा नहीं हूं, जिंदा हूं। अभी कहीं मत लेकर जाओ, मेरे भाई को आने दो। मरने से पहले उसने गांव के हत्यारों के नाम बताए। कहा कि इंद्रपाल ने अपने दो साथियों के साथ पूरी साजिश के तहत उस पर हमला किया। हालांकि, पड़ोसी उसे मेडिकल कॉलेज ले गए। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि डिप्टी कमिश्नर के पिता की भी जून 2023 में हत्या कर दी गई थी। पिता पर भी बांके से हमला किया गया था। मरने से पहले उन्होंने भी हत्यारों के नाम बताए थे। पूरा मामला पाली थाना क्षेत्र का है। डिप्टी कमिश्नर रावेंद्र कुमार मथुरा में 6 साल से पोस्टेड हैं। हरदोई में जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर मुड़रामऊ गांव में उनका पैतृक आवास है। गांव में उनकी मां गोमती (78) और छोटा भाई विजय प्रताप (35) रहते थे। 3 साल पहले पिता की हत्या हो गई थी। पड़ोसी उसे अस्पताल ले जाने लगे तो वह इनकार कर रहा था। कहने लगा कि मेरे भाई को पहले आने दीजिए। उसे तत्काल पाली सीएचसी पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वहां करीब दो घंटे के इलाज के बाद विजय ने दम तोड़ दिया।" पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मां गोमती के बयान पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ASP मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया- विजय नामक युवक पर धारदार हथियार से हमले की सूचना मिली थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई ।

### मरने से पहले बोले-"मैं जिंदा हूं, भाई को आने दो"

पड़ोसी जब उसे अस्पताल ले जाने लगे तो घायल विजय ने कहा—"मैं अभी मरा नहीं हूं, जिंदा हूं। पहले मेरे भाई को आने दो।" हालांकि हालत बिगड़ती देख उसे तुरंत पाली सीएचसी ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

> मां गोमती ने बताया, " शनिवार सुबह 6:30 बजे शोर सुनकर उठी तो देखा आंगन में छोटा बेटा विजय लहूलुहान हालत में पड़ा था। वह गंभीर रूप से घायल था। इसी बीच गांव वाले आ गए। बेटे ने मुझे बताया कि गांव के ही रहने वाले इंद्रपाल ने दो लोगों के साथ उस पर हमला किया।

# सरकार के नए कानून किसानों का उत्पीड़न कर रहे : अजय राय

### 17 फरवरी को कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव

**तमसा संकेत, एजेंसी**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान मुद्दे को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष Ajay Rai ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और 17 फरवरी को विधानसभा घेराव का ऐलान किया। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ और किसानों के कथित उत्पीड़न को लेकर कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नए कानूनों के माध्यम से किसानों की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में किसान आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर परेशान हैं। उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा, बिजली-पानी की समस्या बनी हुई है और कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की आवाज को दबने नहीं देगी और हर स्तर पर संघर्ष करेगी। उन्होंने साफ किया कि 17 फरवरी को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और किसान लखनऊ पहुंचेंगे और विधानसभा का घेराव करेंगे। इस दौरान उन्होंने किसान कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए 'किसान अधिकार गांव संवाद' अभियान की भी जानकारी दी। अभियान के तहत किसान कांग्रेस के पदाधिकारी प्रदेशभर के गांवों में जाकर किसानों से सीधे संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और भाजपा सरकार की कथित गलत नीतियों की जानकारी देना है। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याएं सुनेंगे और उन्हें आंदोलन से जोड़ेंगे। अजय राय ने हालिया शंकराचार्य मनोनयन को लेकर उठे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह मुख्यमंत्री Yogi Adityanath को उनके गुरु ने पीठ सौंपी, उसी प्रकार शंकराचार्य का मनोनयन भी परंपरागत प्रक्रिया के तहत हुआ है। इस पर सवाल उठाने वालों को पहले खुद पर नजर डालनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने वाराणसी की स्थिति को लेकर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के विकास के नाम पर उसकी पारंपरिक पहचान को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

# कानपुर-आईआईटी में जूनियर टेक्नीशियन ने फांसी लगाकर दी जान

### वेलेंटाइन डे पर सुबह मंगेतर से झगड़ा हुआ, बोली- मैं मरने जा रही हूं

- कैंपस में इसी रूम में युवती रहती थी। पुलिस ने कमरे की तलाश ली।
- कमरे में पुलिस को डायरी और कुछ पन्नों के टुकड़े मिले हैं, जिनसे सुसाइड की वजह का पता चल सकता है।

**तमसा संकेत, एजेंसी**

अंजू कुमारी, मृतक

कानपुर। IIT कानपुर में शनिवार को जूनियर टेक्नीशियन युवती का शव फंदे पर लटकता मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि वेलेंटाइन डे युवती शनिवार सुबह अपने मंगेतर से फोन पर बात कर रही थी। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और युवती ने कहा कि मैं फांसी लगाकर जान दे दूंगी और कॉल कट कर दिया। इसके बाद फांसी लगाकर जान दे दी। मंगेतर ने अपने एक साथी को जब तक रूम में भेजा और दरवाजा तोड़ा गया तब तक बहुत देर हो चुकी थी। युवती का शव पंखे के सहारे फंदे से लटकता मिला। मामले की जानकारी मिलते ही कल्याणपुर थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच करने पहुंची। जांच के दौरान एक डायरी मिली है। परिजनों को सूचना देने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मूल रूप से झारखंड जादूगोड़ा निवासी अंजू कुमारी (26) पुत्री राज नंदन रविदास IIT में जूनियर टेक्नीशियन पद पर तैनात थी। तीन साल से वह कार्यरत थी। मौके पर जांच करने पहुंचे एडीसीपी कपिलदेव सिंह ने बताया कि अंजू की शादी उड़ीसा के पावर हाउस में तैनात पंकज से तय हो चुकी थी। दोनों की कुछ दिनों बाद सगाई भी होनी थी। शादी तय होने के बाद से दोनों के बीच कॉल पर बात होने लगी थी। रोज की तरह वैलेंटाइन डे की सुबह भी अंजू अपने मंगेतर पंकज से बात कर रही थी। इस दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और मंगेतर ने चिल्लाकर डांट दिया। इस दौरान उसने अपने मंगेतर से कहा कि अब वह फांसी लगाकर जान दे देगी और कॉल कट दिया। इसके बाद पंकज ने आईआईटी कैंपस में रहने वाले अपने दोस्त सूरज को कॉल किया। सूरज कहीं बिजी था तो उसने अपने भाई सुरेश को अंजू के रूम पर भेजा। सुरेश दौड़कर रूम पर पहुंचा तो देखा कि तरवाजा बंद था, लगातार कॉल और दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिला तो वॉर्डन को जानकारी दी।

**घटना :** इसी हफ्ते पैदा हुए थे, अब दूध नहीं पा रहे, पशुप्रेमी इलाज में जुटे

# डॉगी पर डाला तेजाब, 6 पिल्ले बिलख रहे

- मादा डॉगी दर्द में तड़पते हुए भी पिल्लों को दूध पिला रही है।
- सभी 6 पिल्ले रह-रहकर दूध के लिए विलख रहे हैं।

**तमसा संकेत, एजेंसी**

लखनऊ। लखनऊ में 8 महीने बाद एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। किसी ने एक डॉगी के ऊपर तेजाब डाल दिया। इससे वह बुरी तरह झुलस गई। डॉगी ने इसी हफ्ते गली में 6 पिल्लों को जन्म दिया था। अब उसकी हालत बेकार हो गई है। उसके पैर, जबड़े और सीने की हड्डी दिखने लगी है। छोटे-छोटे बच्चे दूध के लिए बिलख रहे हैं। इससे पहले जून-2025 में किसी ने कई कुत्तों को बिरयानी में जहर मिलाकर खिला दिया था। ताजा घटना चौक इलाके की पुल वाली गली की है। यहां गुरुवार रात किसी ने डॉगी पर तेजाब डाल दिया। डॉगी का आधा शरीर बुरी तरह झुलस गया है। वह जबरदस्त दर्द में तड़प रही है।। सूचना पर पहुंचे पशुप्रेमी उसका इलाज करा रहे हैं। सूचना मिलने पर पशु प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने उसे प्राथमिक उपचार दिलाने की व्यवस्था की। फिलहाल, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। तेजाब के कारण गहरे जख्म हुए हैं और संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से अज्ञात आरोपी के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करने की मांग की है। इलाके के लोगों ने मंगलवार की सुबह कुछ कुत्तों को तड़पते देखा। फिर NGO और पुलिस को सूचना दी। NGO के डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

### चमड़ी पूरी तरह जली, हालत गंभीर

*घटना 13 फरवरी की रात की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक डॉग ने कुछ इसी हफ्ते छह पिल्लों को जन्म दिया था। देर रात अचानक डॉगी के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकले तो देखा कि उसका शरीर बुरी तरह जला हुआ है। चमड़ी जगह-जगह से गल चुकी थी और वह दर्द से तड़प रही थी।*

**घटना स्थल के पास रहने वाले सौरभ ने बताया था- किसी ने मीट में जहर मिलाकर कुत्तों को दिया। उसे खाने के बाद कुत्तों की हालत खराब हो गई। चार कुत्ते कूं-कूं करते हुए तड़पने लगे। वो ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे।**

### जून-2025 में कुत्तों को खिलाया था जहर

इससे पहले जून-2025 में 10 कुत्तों को चिकन बिरयानी में जहर मिलाकर खिला दिया गया। 4 कुत्ते तड़प-तड़पकर मर गए थे। बाकी के 6 कुत्तों का NGO के डॉक्टरों ने इलाज किया। घटना राजाजीपुरम टैक्सी स्टैंड के पास हुई थी। 2 जून की रात 2-3 बजे के बीच कुत्तों को बिरयानी खिलाई गई।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### पूर्वोत्तर की पहली...

जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ELF का मतलब है कि युद्ध और इमरजेंसी जैसे हालात में हवाई जहाजों को हाईवे पर ही उतारा जाए और यहीं से उड़ान भरने की व्यवस्था हो। इससे सड़क का दोहरा फायदा होता है। रोजमर्रा के ट्रैफिक के साथ-साथ सैन्य जरूरतों के लिए। डुअल-यूज इंफ्रास्ट्रक्चर के कॉन्सेप्ट पर तैयार ELF 40 टन तक के फाइटर एयरक्राफ्ट और 74 टन तक के मैक्सिमम टेक-ऑफ वेट वाले ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को हैंडल करने में सक्षम है। PM ने कहा- कांग्रेस के समय में 3जी और 4जी टेक्नोलॉजी आई टूजी घोटाले आए, लेकिन असम नार्थ ईस्ट तक उसे तेजी से पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने मेहनत नहीं की। जब हम 5जी टेक्नोलॉजी लाए तो इसे पूरे असम में नार्थ ईस्ट में गांव गांव तक पहुंचाने के लिए काम किया। असम में डेटा सेंटर की भी शुरुआत हुई है, इससे युवाओं को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा- आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं। PM ने कहा, आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया। आज की कांग्रेस मुस्लिम लीग बनकर देश का बंटवारा करना चाहती है। यहां के नौजवानों को कांग्रेस का कुशासन याद नहीं होगा, कांग्रेस की सरकार चाहे असम की हो या दिल्ली की उन्होंने असम को अपने हाल पर छोड़ दिया था। PM मोदी ने कहा- असम के विकास में असम के लोगों का जीवन आसान बनाने में ब्रह्मपुत्र की बहुत बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से 2014 तक, उनके तो प्रधानमंत्री यहां से चुनकर आए थे, इतने सालों में उन्होंने सिर्फ 3 पुल बनवाए थे। क्या ऐसी स्थिति में असम का तेज विकास संभव नहीं था? प्रधानमंत्री ने कहा- साथियों असम का इतना विकास इसलिए हो रहा है, क्योंकि यहां आप सभी की मेहनत से बीजेपी सरकार बनी। यहां के लोगों ने भाजपा पर भरोसा किया। आपने मेरा बूथ सबसे मजबूत की भावना से बूथ-बूथ जाकर एक-एक परिवार को मिलकर एक-एक मतदाता को जोड़ा। उन्हें अपने वोट की ताकत बताई, इसलिए असम में भाजपा की सरकार बनी। PM ने कहा- असम के लोगों के वोट के कारण यहां लाखों परिवारों के घर बने शौचालय बने पीने का पानी घर तक पहुंचा। इस पुण्य का हकदार भाजपा के बूथ का कार्यकर्ता है। गरीबों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला। इसलिए इस बार भी आपको अपने बूथ पर एक एक वोट का ध्यान रखना होगा। आपका बूथ जीतेगा तो बीजेपी जीतेगी। PM ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। उन्होंने कहा- जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कर सकती है। कभी भी नहीं कर सकती है। आपका भला कर सकती है युवाओं का भला , किसानों का गांव का भला कर सकती है। इस साल के बजट में नार्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूती देने का काम हुआ है कनेक्टिविटी से रोजगार बढ़ता है इसलिए हाईवे के लिए हजारों करोड़ रुपए देना तय हुआ।

### 'हर कोई रवि...

इसके निर्माण के लिए सीएम ने अपनी विधायक निधि से धनराशि दी है। इस मौके पर सांसद रवि किशन ने कहा- एक कहानी आपको सुनाता हूं। सिंगापुर का नाम आप सबने सुना होगा। 1975 की बात है, जब यह आजाद हुआ था। सिंगापुर के प्रधानमंत्री थे ली कुआन यू एक्जेक्टली। वहां भी 2017 के पहले के यूपी जैसा हाल था। माफिया, बाहुबली, छिनैती, डकैती, लूट, बलात्कार चारों तरफ सिर्फ आतंक था। आज सिंगापुर बहुत अमीर देश के रूप में जाना जाता है। 2017 से पहले बिल्कुल वहीं हाल यूपी का भी था। लेकिन, महाराज जी मुख्यमंत्री बनने के बाद आज 2026 चल रहा है। आज यूपी में हर कोई निवेश करना चाहता है। अडाणी हो अंबानी, कोई ऐसा बिजनेसमैन नहीं जो यूपी में इंडस्ट्री नहीं लगाना चाहता। दिल्ली का उदाहरण देते हुए योगी ने कहा- यहां एक वानिकी और हॉर्टिकल्चर (बागवानी) यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। यहां युवाओं को डिग्री दी जाएगी और यह शत-प्रतिशत रोजगार गारंटी से जुड़ा संस्थान होगा। उन्होंने कहा- आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण संरक्षण की है। यहां का वातावरण बहुत स्वच्छ है, प्रदूषण नहीं के बराबर है। इसलिए बीमारियां भी कम हैं। जबकि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति ऐसी हो जाती है मानो गैस चेंबर हो। सांस लेना मुश्किल हो जाता है, आंखों में जलन होती है। डॉक्टरों को सलाह देनी पड़ती है कि बुजुर्ग और बच्चे घर से बाहर न निकलें। क्या यही जीवन है?

### ब्रह्मपुत्र के नीचे ...

दुनियाभर में अभी चैनल टनल ही एकमात्र अंडरवाटर रोड-कम-रेल टनल है। यह टनल इंग्लिश चैनल के नीचे बनी है, जो यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस को आपस में जोड़ती है। यह टनल 1994 में आम नागरिकों के लिए खोली गई थी। इस टनल की कुल लंबाई लगभग 50.45 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 37.9 किलोमीटर हिस्सा समुद्र के नीचे स्थित है।

# सरकार से संवाद न होने पर कर्मचारी संगठनों में नाराजगी

### 27 लाख कर्मियों की मांगें लंबित: वी.पी. मिश्रा

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी.पी. मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार जनता, व्यापारियों, छात्रों युवा वर्ग आदि के लिए अच्छा कार्य कर रही है परंतु प्रदेश के 27 लाख कर्मचारी शिक्षकों आउटसोर्स, संविदा कर्मचारियों के साथ न्याय नहीं कर रही है समस्याएं लंबित पड़ी हैं। मिश्रा ने खेद व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री शासन, विभागों के विभागाध्यक्ष, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी के साथ संवाद नहीं करते हैं यहां तक के प्रदेशीय संगठनों के अध्यक्ष/महामंत्री के सचिवालय प्रवेश पत्र जारी नहीं करते हैं जबकि मुख्य सचिव स्तर पर आदेश दिए जा चुके हैं। पूर्व में प्रत्येक वर्ष सचिवालय प्रवेश पत्र जारी होते रहे हैं यहां तक की बड़े संगठनो के पदाधिकारी के लिए भी सचिवालय प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जा रहे हैं। जबकि मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव स्तर से आदेश भी जारी किए गए थे। मिश्रा ने खेद व्यक्त किया की प्रमुख सचिव कार्मिक स्तर से बैठके लगाकर मांगों पर निरंतर बैठक होती रही है जिसमें समस्याओं का समाधान होता रहता था विभागों की सेवानियमावलियां पदों का सृजन, नियुक्तियां, पदोन्नतियां भी लंबित पड़ी है।

**तमसा संकेत**
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676